Date 16/05/2020 Subject - Pedagogy of Commerce B.Ed. Ist Year

Topic - Aims of teaching of Commerce

## Sources of Educational Aims
## (शैक्षिक उद्देश्यों के स्रोत)

शैक्षिक उद्देश्यों के स्रोतों को अग्रलिखित तीन वर्गों में विभक्त किया जा सकता है -

(A) समाज :- समाज शिक्षा के सामान्य तथा विशिष्ट दोनों प्रकार के उद्देश्यों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

(B) व्यक्ति :- समाज यदि शिक्षा की मूलभूत आवश्यकताओं का निर्धारण करता है तो व्यक्ति का महत्व इस बात में भी है कि उसकी अपनी स्वतन्त्र संकल्प शक्ति तथा अपनी विशिष्ट आवश्यकताएँ होती हैं। इन आवश्यकताओं को उसके वैयक्तिक विकास के अन्तर्गत लिया जाता है।

(C) ज्ञान :- शैक्षिक उद्देश्यों के निर्धारण में ज्ञान एक प्रमुख घटक है। पूर्व में यही एकमात्र स्रोत माना जाता था। परन्तु अब समाज, व्यक्ति तथा ज्ञान के संतुलित रूप पर बल दिया जाता है।

## शैक्षिक उद्देश्यों का प्रथम वर्गीकरण

शैक्षिक उद्देश्यों के प्रथम वर्गीकरण के अनुसार शैक्षिक उद्देश्यों को निम्नलिखित दो भागों में बाँटा जा सकता है।

(a) सामान्य उद्देश्य :- शिक्षा के सामान्य उद्देश्यों से तात्पर्य उन उद्देश्यों से है, जो सभी पर लागू होते हैं। ये देश, काल से प्रभावित नहीं होते हैं, इनकी उपयोगिता सभी देशों में सदैव बनी रहती है। इन उद्देश्यों को ही सामान्य उद्देश्य कहा जाता है।

P.T.O

Scanned with CamScanner

(b) विशिष्ट उद्देश्य :- ये उद्देश्य देश व काल से प्रभावित होते हैं और इनका आधार किसी क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ होती हैं, इनका क्षेत्र सीमित होता है।

## शैक्षिक उद्देश्यों का द्वितीय वर्गीकरण

शैक्षिक उद्देश्यों के द्वितीय वर्गीकरण के अनुसार शैक्षिक उद्देश्य दो प्रकार के होते हैं।

(a) व्यक्तिगत उद्देश्य (b) सामाजिक उद्देश्य

## वाणिज्य शिक्षा के उद्देश्य

वाणिज्य शिक्षा के प्रमुख दो उद्देश्य हैं -

(1) यह व्यावसायिक प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है

(2) यह वाणिज्यिक कुशलता व क्षमता की प्रवृत्ति को बतलाता है।

वाणिज्य शिक्षा को सामान्य लक्ष्यों की दृष्टि से दो भागों में बाँटा जा सकता है -

(1) व्यवसायिक शिक्षा (2) अव्यवसायिक शिक्षा

अमेरिका के एक व्यवसायिक संगठन ने व्यवसायिक वाणिज्य शिक्षा व अव्यवसायिक वाणिज्य शिक्षा की परिभाषा निम्न प्रकार से प्रस्तुत की है। — "व्यवसायिक वाणिज्य शिक्षा एक ऐसा कार्यक्रम है, जो छात्रों को वाणिज्यिक धन्धों के लिए ऐसी आवश्यक कुशलता, ज्ञान व अभिवृत्ति से युक्त कर सके, जो कि प्रारम्भिक रोजगार प्राप्त करने और उसमें उन्नति करने हेतु आवश्यक है।"

"अव्यवसायिक वाणिज्य शिक्षा वह शिक्षा जो छात्रों को ऐसी सूचनाओं व क्षमताओं से सुसज्जित कर सके, जो वाणिज्य के क्षेत्र में व्यक्तिगत कार्यों और सेवाओं से सम्बन्धित हर व्यक्ति की आवश्यकता होती है।"

Continue -----

Scanned with CamScanner